स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

तर्कवादी कालबुर्गी की हत्या की निंदा

तर्कवादी लेखक और कन्नड़ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम. कालबुर्गी की नृशंस हत्या कर दी गई है। वे 77 वर्ष के थे। धारवाड़ (कर्नाटक) में उनके निवास स्थान पर किसी अज्ञात बंदूकधारी ने 30 अगस्त की सुबह 9 बजे उन पर नज़दीक से गोली चलाई। हमलावरों ने उनके दरवाज़े पर दस्तक दी और जैसे ही उन्होंने घर का दरवाज़ा खोला हमलावरों ने उनके माथे और सीने पर काफी करीब से गोली दाग दी।

प्रोफेसर कालबुर्गी बहुत लंबे समय से अपने प्रगतिशील आदर्शों, तर्कवादी सोच और धर्मनिरपेक्षवादी सोच के साथ लोगों को जागरूक करते रहे। उन्होंने अंधविश्वास के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। इस वजह से वे चरम दक्षिणपंथियों के निशाने पर थे और उन्हें लगातार धमकियां दी जा रही थीं।

प्रोफेसर एम.एम. कालबुर्गी की हत्या प्रमुख तर्कवादी और अंधविश्वास विरोधी कार्यकर्ता पुणे के डॉ. नरेन्द्र दाभोलकर (20 अगस्त 2013) और कोल्हापुर के गोविन्द पन्सारे (20 फरवरी 2015) की हत्या के बाद उसी श्रृंखला की एक और कड़ी लगती है।

इस हत्या के मामले में पुलिस को भगवा संगठनों पर संदेह है। स्थानीय भगवा मोर्चों ने प्रोफेसर कालबुर्गी के मूर्तिपूजा विरोधी बयान को लेकर उन्हें धमकी दी थी। हाल ही में प्रोफेसर कालबुर्गी ने पुलिस से अपने घर पर तैनात सुरक्षा गार्ड को हटाने का अनुरोध किया था।

2006 में कालबुर्गी को उनके शोध लेख संग्रह 'मार्ग-4' के लिए प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाज़ा गया था। प्रोफेसर कालबुर्गी ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता कन्नड़ साहित्यकार यू.आर. अनंतमूर्ति के करीबी दोस्त थे जिन्होंने दक्षिणपंथी सांप्रदायिक राजनीति का विरोध किया।

दी एलोरा विज्ञान मंच ने इस नृशंस हत्या की निंदा की है। पुरालेखों के जानकार, वचना साहित्य के विद्वान और अंधविश्वास-विरोधी योद्धा को एलोरा विज्ञान मंच ने ससम्मान श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की है। ***(स्रोत फीचर्स)***

प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द सरदाना की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462011 से मुद्रित। सम्पादक: डॉ. सुशील जोशी